vinetur

फ्रांस ने कड़े ट्रेसबिलिटी नियमों के तहत वाइननिर्माण अवशेषों के खाद्य-घटक उपयोग का रास्ता खोला

13 नवंबर के आदेश में खाद्य-घटक निर्माताओं के लिए संशोधित घोषणाएं और नियंत्रण लागू हैं; सीधे उपभोग वाले पेय पदार्थों में उपयोग पर रोक है

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



13 नवंबर को फ्रांस ने एक आदेश जारी कर वाइननिर्माण से बचे अवशेषों की घोषणा, निगरानी और पुनः उपयोग के नियमों में बदलाव किया। इसके तहत कड़ी रिपोर्टिंग और ट्रेसबिलिटी आवश्यकताओं के साथ इन सामग्रियों के खाद्य उपयोग का एक नया रास्ता खुला है।

यह उपाय 18 अगस्त, 2014 के उस आदेश में संशोधन करता है, जिसमें वाइन बनाने की प्रक्रिया के अवशेषों की

पुनर्प्राप्ति की घोषणा और नियंत्रण की प्रक्रियाएं तय की गई थीं। नए नियमों के तहत अब इन अवशेषों का एक अतिरिक्त खाद्य-संबंधी उपयोग किया जा सकता है, जिससे वाइन उत्पादन के दौरान पैदा होने वाले कचरे के लिए अनुमत पुनर्प्राप्ति के विकल्प बढ़ गए हैं।

आदेश के तहत संचालकों को संशोधित प्रक्रियाओं के अंतर्गत इस नए प्रकार की पुनर्प्राप्ति की घोषणा करनी होगी। फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि इन बदलावों का उद्देश्य निगरानी मजबूत करना और व्यवस्था में आगे बढ़ने वाली सामग्रियों की अधिक सटीक ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित करना है। इसमें संबंधित कंपनियों के लिए कार्यान्वयन की शर्तें और दायित्व भी तय किए गए हैं, ताकि स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी नियमों का पालन हो।

आदेश के अनुसार, खाद्य-घटक निर्माता अब इन अवशेषों को पुनर्प्राप्त करने की अनुमति प्राप्त संचालकों में शामिल हैं और उन पर संबंधित नियंत्रण दायित्व लागू होंगे। इस रास्ते से तैयार किए गए घटकों का उपयोग सीधे मानव उपभोग के लिए बने पेय पदार्थों में नहीं किया जा सकता। इससे खाद्य उपयोग के इस नए विकल्प पर स्पष्ट सीमा लगती है।

पेय उद्योग के लिए यह अंतर अहम है, क्योंकि इससे वाइननिर्माण के उप-उत्पादों के लिए एक नया विनियमित उपयोग खुलता है, लेकिन इन सामग्रियों को सीधे उपभोग के लिए तैयार पेय पदार्थों में वापस इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं मिलती। वाइनरी के लिए यह बदलाव उत्पादन-अवशेषों के निपटान के विकल्प बढ़ा सकता है और समय के साथ, उन सामग्रियों से अतिरिक्त मूल्य पैदा कर सकता है जिनके अनुमत उपयोग पहले अधिक सीमित थे।

फ्रांसीसी नियम इस उपाय को निगरानी में ढील के रूप में पेश नहीं करते। इसके बजाय, नए उपयोग को संशोधित घोषणा नियमों, मजबूत नियंत्रण और विस्तृत ट्रेसबिलिटी से जोड़ा गया है। यह ढांचा संकेत देता है कि नियामक व्यापक पुनः उपयोग और अवशेष कहां जाते हैं तथा उनका प्रसंस्करण कैसे होता है, इस पर करीबी निगरानी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्पादकों, प्रसंस्करणकर्ताओं और अनुपालन टीमों के लिए नियमों में बदलाव के अनुरूप ढलने के दौरान प्रशासनिक और परिचालन कार्य बढ़ने की संभावना है। जो व्यवसाय वाइननिर्माण के अवशेषों का उपयोग खाद्य-घटक बनाने में करना चाहते हैं, उन्हें घोषणा प्रणाली के दायरे में रहना होगा और आदेश में तय स्वास्थ्य तथा पर्यावरण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।

यह संशोधन यूरोप में उस व्यापक नीतिगत दिशा को दर्शाता है जिसमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के उप-उत्पादों को केवल कचरा मानने के बजाय उनके अधिक उपयोग तलाशे जा रहे हैं। फ्रांस के वाइन क्षेत्र में इस दृष्टिकोण से वाइनरी और खाद्य-घटक निर्माताओं के बीच नए संबंधों को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, व्यावसायिक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि संचालक स्वीकृत प्रसंस्करण व्यवस्थाएं कितनी तेजी से तैयार करते हैं और बड़े पैमाने पर उपयोग आर्थिक रूप से व्यवहार्य है या नहीं।